01

MEDIA COVERAGE

MAY, 2022

Nav Duniya/Nai Duniya- 04.05.2022

नवाचार

मेट्रो के ब्रेक लगने पर बेकार जाने वाली ऊर्जा होगी पुनर्स्थापित, ट्रैक में लगाया जाएगा थर्ड रेल डीसी ट्रैक्शन सिस्टम

पटरी में प्रवाहित बिजली से दौड़ेगी भोपाल और इंदौर मेट्रो

विश्वास चतुर्वेदी • भोपाल

भोपाल और इंदौर में मेट्रो ट्रेन पटरी में प्रवाहित बिजली से चलेगी। दोनों जगहों पर मेट्रो चलाने के लिए थर्ड रेल डीसी ट्रैक्शन सिस्टम का उपयोग किया जाएगा। इस तकनीक में खास बात यह है कि ट्रेन रुकने के दौरान ब्रेक लगाने से जो ऊर्जा बेकार हो जाती थी, अब उसे वापस सिस्टम में भेज दिया जाएगा। इससे मेट्रो संचालन में 40 से 45 फीसद तक ऊर्जा की बचत होगी।

अधिकारियों ने बताया कि रेलवे ट्रैक के थर्ड रेल पर सिरेमिक इंसुलेटर लगाए जाते हैं, ताकि कोई इसके संपर्क में आ भी जाए तो उसे करंट न लगे। जबकि मेट्रो में करंट के लिए धातु (मेटल) का एक काटैक्ट ब्लाक होता है, जिसे करंट कलेक्शन डिवाइस शूज (सीसीडी) कहा

इस तरह वापस होगी ऊर्जा... भोपाल और इंदौर थर्ड रेल डीसी ट्रैक्शन सिस्टम से संचालित होगी। इसके लिए ट्रैक पर खास तरह का इंवर्टर लगाया जाएगा। जो मेट्रो के संचालन में ब्रेक लगने से निकलने वाली ऊर्जा को वापस ग्रिड में भेज देगा। देश में थर्ड रेल डीसी सिस्टम से परिचालित बेंगलुरु, कोच्चि, अहमदाबाद, कोलकाता और गुड़गांव रैपिड मेट्रो परियोजनाओं में ट्रेन की ब्रेकिंग से पैदा होने वाली डायरेक्ट करंट (डीसी) ऊर्जा पूरी तरह बेकार चली जाती है, लेकिन भोपाल और इंदौर मेट्रो इसका पूरा इस्तेमाल करेंगी।

यह है थर्ड रेल तकनीक... रेल में पावर सप्लाई के दो तरीके हैं। पहला है ओएचई का, जिसका प्रयोग आम ट्रेनों और अभी तक चल रही मेट्रो के लिए किया जाता है। दूसरा है थर्ड रेल का। इसमें ट्रेनों की पटरियों के बराबर या बीच में एक और पटरी बिछाई जाती है। इसे कंडक्टर रेल भी कहते हैं। इसी में करंट प्रवाहित होता है। कोलकाता, कानपुर और नागपुर में पावर सप्लाई के लिए थर्ड रेल का ही इस्तेमाल किया जा रहा है। वहां यह मेट्रो की दाहिनी पटरी के समानांतर बिछाई गई है। इससे ट्रेन को बिजली मिलती है।

750 वोल्ट डीसी का होगा 33 केवीए एसी करंट में परिवर्तन

अभी थर्ड रेल सिस्टम में ट्रेन की ब्रेकिंग से जो ऊर्जा पैदा होती है, वह डीसी फार्म में होती है, जबकि बाकी मेट्रो तंत्र अल्टरनेटिंग करंट (एसी) पर चलता है। मप्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएमआरसी) के इंजीनियरों ने इस कमी को दूर करते हुए थर्ड रेल डीसी ट्रैक्शन सिस्टम के लिए उपरोक्त खास इंवर्टर की व्यवस्था की है, जो ट्रेन की ब्रेकिंग से पैदा होने वाले 750 वोल्ट डीसी करंट को 33 केवीए एसी करंट में बदलकर फिर से सिस्टम में भेज देगी।

इस तकनीक से मेट्रो संचालन में 40 से 45 प्रतिशत तक ऊर्जा की बचत होगी। 1000 यूनिट ऊर्जा के व्यय पर 400-450 यूनिट तक ऊर्जा को दोबारा

तकनीक

भोपाल और इंदौर में चलने वाली मेट्रो ट्रेन के ट्रैक में लगाया जाएगा थर्ड रेल डीसी ट्रैक्शन सिस्टम

मेट्रो के ब्रेक लगने पर बेकार जाने वाली ऊर्जा होगी पुनर्स्थापित

विश्वास चतुर्वेदी • भोपाल

भोपाल और इंदौर में मेट्रो ट्रेन पटरी में प्रवाहित विद्युत से चलेगी। दोनों जगहों पर मेट्रो चलाने के लिए थर्ड रेल डीसी ट्रैक्शन सिस्टम का उपयोग किया जाएगा। इस तकनीक में खास बात यह है कि ट्रेन रुकने के दौरान ब्रेक लगाने से जो ऊर्जा बेकार हो जाती थी, अब उसे वापस सिस्टम में भेज दिया जाएगा। इससे मेट्रो संचालन में 40 से 45 फीसद तक ऊर्जा की बचत होगी।

अधिकारियों ने बताया कि रेलवे ट्रैक के थर्ड रेल पर सिरेमिक इंसुलेटर लगाए जाते हैं, ताकि कोई इसके संपर्क में आ भी जाए तो उसे करंट न लगे। जबकि मेट्रो में करंट के लिए धातु (मेटल) का एक काटैक्ट ब्लाक होता है, जिसे करंट कलेक्शन डिवाइस शूज (सीसीडी) कहा जाता है। यह करंट कलेक्शन डिवाइस शूज उसी तरह से थर्ड रेल के संपर्क में

45% कम खपत पर होगा संचालन

क्या है थर्ड रेल तकनीक

रेल में पावर सप्लाई के लिए दो तरीके हैं। पहला है ओएचई का, जिसका प्रयोग आम ट्रेनों और अभी तक अधिकांश शहरों में चल रही मेट्रो के लिए किया जाता है। दूसरा तरीका है थर्ड रेल का। इसमें ट्रेनों की पटरियों के बराबर या बीच में एक और पटरी बिछाई जाती है। इसे कंडक्टर रेल भी कहते हैं। इसी में करंट प्रवाहित होता है। देश में बेंगलुरु, कानपुर और नागपुर में पावर सप्लाई के लिए थर्ड रेल का ही इस्तेमाल किया जा रहा है। वहां यह मेट्रो की दाहिनी पटरी के समानांतर बिछाई गई है। इससे ट्रेन को बिजली मिलती है।

रहता है, जैसे आम ट्रेनों के इंजन का पेंटा (ओएचई केबल से जोड़ने वाली इंजन के ऊपर लगी राड) ऊपर लगी ओएचई केबल से रगड़ाता रहता है। करेंट कलेक्शन डिवाइस शूज के साथ एक सहूलियत और होती है कि इसका संपर्क थर्ड रेल के ऊपर, नीचे या फिर बराबर में कहीं से भी किया जा सकता है।

इस तरह वापस होगी ऊर्जा

भोपाल और इंदौर थर्ड रेल डीसी ट्रैक्शन सिस्टम से संचालित होगी। इसके लिए ट्रैक पर खास तरह का इंवर्टर लगाया जाएगा। जो मेट्रो रेल के संचालन में ब्रेक लगने से निकलने वाली ऊर्जा को वापस ग्रिड में भेज देगा। देश में थर्ड रेल डीसी सिस्टम से परिचालित बेंगलुरु, कोच्चि, अहमदाबाद, कोलकाता और गुड़गांव रैपिड मेट्रो परियोजनाओं में ट्रेन की ब्रेकिंग से पैदा होने वाली डायरेक्ट करंट (डीसी) ऊर्जा पूरी तरह बेकार चली जाती है, लेकिन भोपाल और इंदौर मेट्रो इसका पूरी तरह इस्तेमाल करेंगी।

750 वोल्ट डीसी का होगा 33 केवीए एसी करंट में परिवर्तन

अभी थर्ड रेल सिस्टम में ट्रेन की ब्रेकिंग से जो ऊर्जा पैदा होती है, वह डीसी फार्म में होती है, जबकि बाकी मेट्रो तंत्र अल्टरनेटिंग करंट (एसी) पर चलता है। मप्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएमआरसी) के इंजीनियरों ने इस कमी को दूर करते हुए थर्ड रेल डीसी ट्रैक्शन सिस्टम के लिए उपरोक्त खास इंवर्टर की व्यवस्था की है, जो ट्रेन की ब्रेकिंग से पैदा होने वाले 750 वोल्ट डीसी करंट को 33 केवीए एसी करंट में बदलकर फिर से सिस्टम में भेज देगी।

ट्रेन में लगने वाले ब्रेक से पैदा होने वाली ऊर्जा को वापस सिस्टम में भेजा जाएगा। इससे संचालन में 40 से 45 प्रतिशत तक ऊर्जा की बचत होगी। प्रत्येक 1000 यूनिट ऊर्जा के व्यय पर 400-450 यूनिट तक ऊर्जा को दोबारा सिस्टम में उपयोग किया जा सकेगा। अभी तक देश में थर्ड रेल डीसी सिस्टम से परिचालित बेंगलुरु, कानपुर और नागपुर में ही ऐसी व्यवस्था है।

– छवि भारद्वाज, एमडी, मप्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड

Nav Duniya/Nai Duniya **05.05.2022**

BHOPAL

होम / मध्यप्रदेश / भोपाल

Metro project in Bhopal: भोपाल मेट्रो... सुभाष नगर से एम्स के बीच सिर्फ 26 पिलर बनना बाकी, 180 पर गर्डर रख गए

अक्टूबर से शुरू होगा रोलिंग स्टाक का काम, टेंडर जारी!

Publish Date: | Thu, 05 May 2022 04:42 PM (IST)

https://www.naidunia.com/madhya-pradesh/bhopal-metro-project-in-bhopal-bhopal-metro-between-subhash-nagar-to-aiims-only-26-pillars-are-yet-to-be-built-girders-are-placed-on180-7501632

03

Dainik Jagran (22.05.2022)

नीति ने संभाला मेट्रो में डायरेक्टर का जिम्मा

जागरण प्रतिनिधि, भोपाल। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन में नीति कोठारी ने डायरेक्टर (फायनेंस व एकाउंट्स) का पदभार संभाल लिया। वो राजस्थान एकाउंट्स सर्विसेज की अधिकारी हैं। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन में कई साल काम कर चुकी हैं। वहां जनरल मैनेजर फायनेंस रह चुकी हैं।

https://www.djmp.in/epaper/bhopal/2022-05-21/6

Pradesh Times (22.05.2022)

प्रदेश टाइम्स

दिल्ली मेट्रो में पदस्थ रही नीति कोठारी ने लिया एमपीएमआरसीएल का प्रभार

नगर प्रतिनिधि

भोपाल। नीति कोठारी ने शुक्रवार को राजधानी भोपाल के मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के कार्यालय में फाइनेंस व एकाउंट डायरेक्टर के रूप में पदभार ग्रहण किया। वह राजस्थान एकाउंट सर्विस 1994 बेच की अधिकारी है। उनके द्वारा अनेको अनेको आर्गेनाइजेशन में अधिकारी के रूप में कार्य किया गया है।

वह विगत 2005 से दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में 2011 तक कार्यरत रही है। उनके द्वारा दिल्ली मेट्रो में जनरल मैनेजर के रूप में भी कार्य किया गया है। उनके द्वारा कॉमर्स से पी एच डी राजस्थान यूनिवर्सिटी से 1991 में की गई। उन्हें राजस्थान सरकार व दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में विभिन्न पदों में कार्य करने का 26 वर्ष का अनुभव प्राप्त है। शुक्रवार को मध्य प्रदेश रेल मेट्रो कॉरपोरेशन के कार्यालय में प्रोजेक्ट डायरेक्टर अजय शर्मा द्वारा नीति कोठारी को डायरेक्टर एकाउंट एंड फाइनेंस के रूप में पुष्प गुच्छ भेंट कर पदभार ग्रहण करवाया।

Nav Dunia (22.05.2022)

BHOPAL

डायरेक्टर फाइनेंस व अकाउंट बनीं प्रीति कोठारी

भोपाल। राजधानी में शुक्रवार को मप्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन में प्रीति कोठारी ने डायरेक्टर फाइनेंस व अकाउंट का पदभार ग्रहण किया। इस दौरान मप्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन के डायरेक्टर अजय शर्मा ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। बता दें कि इससे पहले प्रीति कोठारी वर्ष 2005 से दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड के लिए काम कर रही हैं। मप्र मेट्रो में वह डेप्यूटेशन पर आई हैं। प्रीति राजस्थान अकाउंट सर्विसेस के 1994 बैच की अधिकारी हैं। इससे पहले वे डीएमआरसी में महाप्रबंधक फाइनेंस थीं। - नप्र

https://epaper.naidunia.com/epaper/edition-today-bhopal-33.html